(ग) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने यह भी बताया है कि फ्लैटों के खाली रहने से हुए नुकसान का निम्नलिखित कारण से आकलन सम्भव नहीं है:—

(I) बिजली मिलने की उम्मीद में बिजली रहित फ्लैटों के आबंटन की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में शुरु हुई, लेकिन आबंटन पत्र जारी करने के बाद भी अनेक फ्लैटों में विद्युत नहीं पहुंच पाई हैं। अस्तु पूंजी अवरुद्ध होने के कारण पूर्णतः विद्युत अनुपलब्धता नहीं माना जा सकता।

(II) दिल्ली विकास प्राधिकरण फ्लैटों के आवंटियों से मांगा गया बिक्री मूल्य मांग व आबंटन पत्र जारी करने की तारीख से जुड़ा है इस सूत्र से अवरुद्ध पूंजी का निषेधक प्रभाव काफी कुछ बराबर हो जाता है।

(III) अनुलग्न में एस०एफ०एस० फ्लैट भी शामिल है। इन फ्लैटों का निर्माण पंजीकृत आवेदकों की वित्तीय भागीदारी से शुरु किया जाता है अतः उनमें दिल्ली विकास प्राधिकरण की पूंजी अवरुद्ध नहीं होती है।

(IV) अमान्य फ्लैट पुनः आवंटन पर प्रचलित मूल्यों पर बेचे जाते हैं। विहित मूल्य ह्रास को बिक्री मूल्य के भूमि घटक में वृद्धि करके हिसाब में लिया जाता है।

(घ) सरकार, सम्बन्धित इलाकों में बुनियादी सुविधायें मुहैया कराने की समस्याओं पर दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान तथा अन्य प्राधिकरणों के साथ विचार-विमर्श कर रही है ताकि ये सुविधाएं मुहैया कराने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाया जा सके।

इंडियन एयरलाइन्स का घाटे में चलना

386. **श्री इकबाल सिंह:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि इंडियन एयरलान्स को लगातार घाटा हो रहा है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में पिछले तीन वर्ष के आंकड़े क्या हैं; और

(ग) इस घाटे को दूर करने के लिए सरकार ने अब तक कौन से ठोस उपाय किये हैं और भविष्य में ऐसा घाटा न होने के लिए सरकार द्वारा जिन प्रभावी उपायों पर विशेष बल दिया जा रहा है, उनका ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाब नबी आजाद): (क) और (ख) 1989-90 से इंडियन एयरलाइन्स को हानि हो रही है। विगत तीन वर्षों के दौरान हुई हानि निम्नवत है:—

वर्ष	करोड़ रुपए
1992-93	195.16
1993-94	258.46
1994-95	188.73

(ग) इंडियन एयरलाइन्स की हानि को पूरा करने तथा इसके कार्य निष्पादन को सुधारने के लिए जो विभिन्न उपाय किए गए हैं उनमें मितव्ययिता के तरीके अपनाना, विमान बेड़े का बेहतर उपयोग स्वतंत्र लाभ केन्द्रों की स्थापना तथा उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन शामिल है।

Accident on the Koraput-rayagada Railway line

387. DR. BAPU KALDATE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether a major accident occurred on the Koraput-Rayagada railway line barely after few hours of its inauguration by the Prime Minister 30.12.95;

(b) if so, the details thereof stating the estimated loss suffered by the Railways as a result thereof;

(c) the outcome of the inquiry conducted into the mishap;

(d) what action has been taken by Government in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SURESH KALMADI): (a) and (b) On 31.12.1995, 10 wagons of Dn. MDDO-586 Goods train derailed between Rauli and Laliguma stations on Koraput-Ray-